हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 7 जुलाई 2025

11 उनींदा में भाजपा ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की...

12 बरसात एवं बाढ़ के अतिरिक्त मिल रहे पानी को सिंचाई विभाग...

चालक-परिचालक अपने मूल पद पर करेंगे कार्य, निदेशालय ने लिया संज्ञान

- महाप्रबंधकों को मूल पदों पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर सूची भेजनी होगी मुख्यालय, ड्यूटी बदलाव की जानकारी परिवहन मंत्री व सीएम को दी भी जाएंगी
- गुरुग्राम, रेवाड़ी, नारनौल, नूंह, चरखी दादरी व झज्जर के महाप्रबंधक को मुख्यालय ने पत्र किया जारी
- एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री को भेजी दी शिकायत, मुख्यमंत्री ने निदेशालय को दिए जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

रोडवेज डिपो में कार्यरत कर्मचारियों अब अपने मूल पदों पर कार्य करेंगे। निदेशालय ने गुरुग्राम, रेवाड़ी, नारनौल, नूंह, चरखी दादरी व झज्जर के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर कर्मचारियों को ड्यूटी में बदलाव करने के आदेश जारी किए है। महाप्रबंधकों को कर्मचारियों की सूची बनाकर मुख्यालय भेजनी होगी। मुख्यालय द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री को भी इसकी जानकारी दी जाएंगी।

बता दें कि अक्सर देखना में आता है कि

महेंद्रगढ़। बस स्टैंड। फोटो: हरिभूमि

विभिन्न डिपो में कर्मचारियों अपने मूल पद की बजाय अन्य पदों में बैठकर कार्य करते नजर आते है। अधिकाशं जूनियर कर्मचारी ब्रांच व एडवांस बुकिंग का कार्य कर रहे होते है। जबकि सीनीयर कर्मचारी रूटों पर ड्यूटी देते है। ऐसे में रोडवेज कर्मचारियों के बीच आपस टकराव होता रहता है। वहीं रोडवेज यूनियन के पदाधिकारियों के माध्यम से भी अक्सर शिकायत मिलती है कि डिपो में लंबे समय से क्लर्क और डीआई लंबे समय से नहीं बदले जा रहे। जबकि निदेशालय के ओर से पहले जारी आदेशों के अनुसार पांच सीटों पर किसी भी कर्मचारी छह माह से अधिक समय तक एक सीट पर ड्यूटी नहीं दे सकता। समय-समय पर मुख्यालय के ओर से महाप्रबंधको को कर्मचारियों के मूल पदों पर ड्यूटी देने के आदेश भी जारी किए जाते है लेकिन महाप्रबंधकों की ओर से केवल महज खानापूर्ति की जाती है।

यह दी गई थी शिकायत

सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने मुख्यमंत्री को दी शिकायत में बताया कि प्रदेश के डिपुओं में काफी संख्या में ऐसे कर्मचारी है जिन्होंने अभी तक बस चलाकर या टिकट काटकर नहीं देखी है। महाप्रबंधकों द्वारा कर्मचारियों की ड्यूटी में बदलाव की झूठी रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय भेज दी जाती है। मुख्यालय द्वारा इसकी जांच नहीं की जाती। इससे सरकार व उच्च अधिकारी गुमराह रहते है। इस बारे में कई बार पहले भी शिकायत की जा चुकी है लेकिन अभी भी काफी संख्या में कर्मचारी सीआई व डीआई में

यह कर्मचारी नहीं कर रहे पद पर ड्यूटी

डिपो	पद	नाम	कार्य
गुरुग्राम	परिचालक	दीपक	सीआई आफिस
रेवाड़ी	परिचालक	जोगिंद्र	सीआई आफिस
रेवाडी	परिचालक	अरविंद	सीआई आफिस
रेवाड़ी	परिचालक	सोनू	सीआई आफिस
रेवाड़ी	परिचालक	योगेश	सीआई आफिस
नारनौल	परिचालक	बालकिशन	सीआई आफिस
नारनौल	परिचालक	भूपेंद्र	सीआई आफिस
नूंह	परिचालक	साबिर	डीआई आफिस
नूंह	परिचालक	जैकम	डीआई आफिस
दादरी	परिचालक	जगफूल	डीआई आफिस
झज्जर	परिचालक	मुकेद्र	बस स्टैंड इंचार्ज बेरी

ब्रांच में लंबे समय से कार्य कर रहे है। कई डिपो में कर्मचारी जीएम व टीएम को खुश करके लंबे समय एक से एक पद पर कार्य कर रहे है। इन कर्मचारियों की परमिट बस संचालकों से सांठगांठ होती है तथा इससे रोडवेज को भारी नुकसान हो रहा है। इसके अलावा रोडवेज यूनियन के पदाधिकारी भी मनमानी करते हुए मनचाही जगह बसों का रात्रि ठहराव करवा रहे है। इसके अलावा कुछ यूनियन के पदाधिकारियों द्वारा प्रतिदिन 200 किलोमीटर बस नहीं चलाई जा रही। जबकि अन्य कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री की मामले की जांच कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने शिकायत में संज्ञान लेते हुए मुख्यालय को आदेश जारी किए है।

खबर संक्षेप

19वां वार्षिकोत्सव और भंडारा आज

नारनाल। श्रीराम सेवा समिति की ओर से सैनी धर्मकांटा के पास श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर का 19वां वार्षिकोत्सव व विशाल भंडारा सात जुलाई को होगा। समिति के प्रधान हरिराम सैनी व संरक्षक धर्मपाल सैनी ने बताया कि सुबह सवा आठ बजे हवन होगा। दोपहर सवा 12 बजे भंडारा आयोजित किया जाएगा।

सेका गांव में हवन और भंडारा आज

नारनौल। गांव सेका में समस्त ग्रामवासी की ओर से 7 जुलाई को हवन व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कमेटी के सदस्य जितेन्द्र शास्त्री बताया कि श्रीमद्भगवत कथा समापन पर लिलासा माता मंदिर में भण्डारा किया जाएगा।

धनुंदा के बाबा दयाल मंदिर में भंडारा आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के धंनुदा में स्थापित बाबा दयाल मंदिर प्रांगण में सात जुलाई को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि आज सुबह नौ बजे हवन आहुति दी जाएगी तथा 11 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी होंगे हड़ताल में शामिल

नारनौल। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा सम्बंधित एआईयूटीयूसी जिला प्रधान पवन कुमार बाल्मीकि व जिला सचिव जगदीश प्रसाद ने बताया कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी भी 10 केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर नौ जुलाई को अखिल भारतीय आम हड़ताल में बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह ने एआईयूटीयूसी से जुड़ी यूनियन से इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने की अपील की है।

एआईकेकेएमएस के सदस्य हड़ताल में होंगे शामिल

नारनौल। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन नौ जुलाई को होने वाली ट्रेड यूनियनों की देशव्यापी हड़ताल में बढ़ चढ़कर भाग लेगा। केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के साथ मिलकर में पुराने लघु सचिवालय पार्क में एकत्रित होकर केन्द्र की मजदूर किसान व जन विरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

लूट के मामले में दो और आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। पेट्रोल पम्प पर हवाई फायर कर नकदी लूटने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना नांगल चौधरी की पुलिस टीम ने दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान रोहतास वासी लुजोता व राजेश वासी कुहाड़ा थाना सरुंड राजस्थान के रूप में हुई है। तीन आरोपित अजीत उर्फ कालू वासी भेडन्टी, ऋषिदेव उर्फ रितिक वासी मुलोदी व रवि वासी मुलोदी को पहले गिरफ्तार किया था। बाइक व नकदी, हथियार जिंदा कारतूस बरामद किए थे।

रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी और जयपुर-भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन शुरू

- रेलवे की ओर से खाटू श्याम जी में श्रद्धालुओं व यात्रियों की सुविधा हेतु स्पेशल रेलसेवाओं का किया जा रहा है संचालन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रेलवे की ओर से खाटू श्याम जी में श्रद्धालुओं व यात्रियों की सुविधा हेतु रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी व जयपुर-भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन शुरू कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 09637 रेवाड़ी-रींगस स्पेशल रेलसेवा 10 जुलाई, 12 जुलाई, 13 जुलाई, 19 जुलाई, 20 जुलाई, 21 जुलाई, 24 जुलाई, 26 जुलाई व 27 जुलाई को (11 ट्रिप) रेवाड़ी से 11:45 बजे रवाना होकर 14:45 बजे रींगस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09638 रींगस-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा 10 जुलाई, 12, 13, 19, 20, 21, 24, 26 व 27 जुलाई को (11 ट्रिप) रींगस से 15:05 बजे रवाना होकर 18.20 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी।

जयपुर भिवानी

गाड़ी संख्या 09733 जयपुर-भिवानी स्पेशल रेलसेवा दिनांक एक जुलाई से शुरू की जा चुकी है, जो 31 जुलाई तक (31 ट्रिप) जयपुर से 07:00 बजे रवाना होकर 14:20 बजे भिवानी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09734 भिवानी-जयपुर स्पेशल 31 जुलाई तक (31 ट्रिप) भिवानी से 16:05 बजे रवाना होकर 23:25 बजे जयपुर पहुंचेगी।

समय-सारणी

09733 जयपुर-भिवानी			भिवानी-जयपुर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	07:00	जयपुर	23:25	—
07:07	07:10	ढेहर का बालाजी	22:29	22:3
07:20	07:22	नींदर बैनाड	22:11	22:13
07:37	07:39	चौमू सामोद	21:54	21:56
07:49	07:51	गोविन्दगढ मलिकपुर	21:42	21:44
08:15	08:20	रींगस	21:10	21:15
08:30	08:32	श्रीमाधोपुर	20:50	20:52
08:46	08:48	कावंट	20:33	20:35
09:03	09:05	नीम का थाना	20:15	20:17
09:24	09:26	मांवडा	20:03	20:05
09:40	09:42	डाबला	19:47	19:49
10:01	10:03	निजामपुर	19:34	19:36
10:16	10:18	नारनौल	19:19	19:21
10:33	10:35	अटेली	18:59	19:01
10:54	10:56	कुंड	18:44	18:46
12:20	12:25	रेवाड़ी	18:15	18:20
13:01	13:03	कोसली	17:07	17:09
13:17	13:19	झाडली	16:47	16:49
13:35	13:37	चरखी दादरी	16:31	16:33
14:20	—	भिवानी	—	16:05

इस रेलसेवा में नौ साधारण श्रेणी व दो गार्ड डिब्बो सहित कुल 11 डिब्बे होंगे।

समय-सारणी

09637 रेवाड़ी-रींगस			09638 रींगस-रेवाड़ी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	11:45	रेवाड़ी	18:20	—
12:04	12:06	कुंड	17:22	17:24
12:13	12:15	काठूवास	17:14	17:16
12:25	12:27	अटेली	17:03	17:05
12:40	12:42	नारनौल	16:48	16:50
12:51	12:53	अमरपुर जोरासी	16:39	16:40
13:01	13:03	निजामपुर	16:30	16:31
13:14	13:16	डाबला	16:16	16:18
13:30	13:32	मांवडा	16:00	16:02
13:42	13:44	नीम का थाना	15:48	15:50
14:00	14:02	कावंट	15:30	15:32
14:18	14:20	श्रीमाधोपुर	15:13	15:15
14:45	—	रींगस	—	15:05

इस रेलसेवा में आठ साधारण श्रेणी व गार्ड श्रेणी के दो डिब्बो सहित कुल 10 डिब्बे होंगे।

मेले के लिए स्पेशल रेल सेवा का संचालन

रेलवे की ओर से खाटू श्याम जी के मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं व यात्रियों की सुविधा हेतु गाड़ी संख्या 09633/09634 रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी मेला स्पेशल रेल सेवा (एक ट्रिप) का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 09633 रेवाड़ी-रींगस मेला स्पेशल रेलसेवा छह जुलाई को रेवाड़ी से 22:50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन यानी आज सोमवार को 01:35 बजे रींगस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09634 रींगस-रेवाड़ी मेला स्पेशल रेलसेवा सात जुलाई को रींगस से 2:20 बजे प्रस्थान कर 5:20 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी। यह रेल सेवा मार्ग में अटेली, नारनौल, डाबला, नीम का थाना, कांवट व श्रीमाधोपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

सांप के डसने से 42 वर्षीय व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव माजरा खुर्द निवासी 42 वर्षीय व्यक्ति की सांप के डसने से मौत हो गई। मृतक के तीन बच्चे है तथा वह मजदूरी का कार्य करता था। ग्रामीण राजसिंह ने बताया कि गांव माजरा खुर्द निवासी 42 वर्षीय ईरविंद खेत में बाजरे की फसल का निराई का काम कर रहा था। जब वह खेत में काम कर रहा था तो अचानक उसे सांप ने काट खाया। इसके बाद वह व अन्य ग्रामीण उसको नागरिक अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद वह ईरविंद को रोहतक लेकर जा रहें थे तो उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक के तीन बच्चे हैं, जिनमें दो लड़का व एक लड़की हैं। वह गरीब परिवार से तालुक रखता है। परिवार में मृतक ईरविंद के अलावा कोई कमाने वाला भी नहीं है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव मोहनपुर में 20 वर्षीय महिला प्रतिमा यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक महिला की छह माह पूर्व जनवरी में शादी हुई थी। सूचना मिलने पर अटेली पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसको पोस्टमॉर्टम के लिए नारनौल के नागरिक अस्पताल की मॉर्चरी में रखवा दिया। महिला की मौत पर ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। इस मामले में अटेली थाने की महिला हेड कांस्टेबल अनीता ने बताया कि महिला बिहार राज्य की रहने वाली है। मायके वालों को सूचना दे दी गई है। वह बिहार से चल पड़े हैं। इस मामले में अभी तक किसी ने कोई शिकायत नहीं दी है। मृतक महिला के शव को नारनौल के नागरिक अस्पताल की मॉर्चरी में रखवा दिया। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

मुकेश जैन का ग्रीवेंस कमेटी सदस्य मनोनीत होने पर किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार ने भारत विकास परिषद शाखा के सचिव एवम व्यावसायी मुकेश जैन को जिला कष्ट निवारण समिति का सदस्य नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति का प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने उनका स्वागत किया। ट्रस्टी राकेश शर्मा व नरोत्तम सोनी ने बताया कि मुकेश जैन प्रसिद्ध समाजसेवी व उदार व्यक्ती हैं। उनकी नियुक्ति पर प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने उन्हें स्मृति चिह्न, अंग वस्त्र व पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि सरकार मेहनती कार्यकर्ताओं की सेवा भावना को देखकर ही पद देती है। मुकेश जैन से आशा हैं कि वो

नारनौल। मुकेश जैन को सम्मानित करते ट्रस्ट सदस्य। फोटो: हरिभूमि

जन समस्याओं को बेहतर तरीके से सरकार के समक्ष रखेंगे डॉ. संजय शर्मा ने विधायक ओमप्रकाश यादव का भी मुकेश जैन की नियुक्ति पर आभार जताया। ट्रस्टी डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य के रूप में मुकेश जैन की नियुक्ति संतुलित और सटीक है। मुकेश जैन सामाज से जुड़े व्यक्ती हैं। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष भीमसेन शर्मा व साहित्यिक इकाई के प्रभारी ओशिन शुक्ला ने कहा कि जनता के बीच से चुने गए नुमाइंदे सरकार तक जनता की बात प्रभावी ढंग से पहुंचा सकते हैं। मुकेश जैन ने सम्मान के लिए ट्रस्ट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उस पर वह खरा उतरेंगे। इस मौके पर वीरचंद जैन, डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, भीमसेन शर्मा, राकेश शर्मा, ओशीन शुक्ला, डॉ. संजय शर्मा मौजूद थे।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए अदालत कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष बिजली अदालत का आयोजन आठ जुलाई को सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि बिजली अदालत सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक संचालित की जाएगी। हुड्डा ने बताया कि इस अदालत में उपभोक्ता बिजली कनेक्शन से संबंधित शिकायतों व बिजली बिल से जुड़ी समस्याओं को सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

मानक चौक स्थित दुकान के ताले तोड़कर नकदी एवं नोटों की माला चुरा ले गए चोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

मानक चौक स्थित नोटों की माला बेचने की दुकान में चोरों ने ताले तोड़कर वहां से करीब 50 हजार रुपये कैश तथा कुछ नोटों की मालाएं चुरा ली। वहीं चोर लाखों रुपए की अन्य मालाएं दुकान में ही छोड़ गए। मुख्य बाजार में हुई चोरी की इस घटना से दुकानदारों में रोष है। दूसरी ओर पुलिस ने आवश्यक जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मानक चौक में सुशील कुमार जैन ने एक कार्नर पर फूल मालाओं, नोटों की मालाओं, सजावट का सामान, पूजा का सामान व गोटे आदि की दुकान की हुई है। दुकान के दोनों ओर के रास्तों पर दो शटर लगे हुए हैं। एक मुख्य मार्ग तथा दूसरा संकरी गली की ओर लगा हुआ है। इस दुकान में चोरों ने संकरी गली की ओर जाने वाले शटर का ताला तोड़कर घटना को अंजाम दिया। सुबह जब एक चाय वाला दुकानदार वहां आया तो शटर का ताला टूटा देख दुकान मालिक को सूचना दी, जिसके बाद दुकानदार सुशील वहां पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। इस घटना के बाद अनिल कुमार जैन, पवन कुमार जैन, बदरी पेंट वाले, रविंद्र साबुन ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि शहर के मुख्य बाजार में हुई चोरी की इस घटना से व्यापारियों में डर का माहौल है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की घटनाएं पुलिस की निष्क्रियता दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन को यहां पर सुरक्षा के इंतजाम सख्त करने चाहिए। रात को गश्त लगानी चाहिए, ताकि चोरों में भय का माहौल बना रहे। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौका मुआयना करने उपरांत जांच शुरू कर दी है।

नारनौल। मानक चौक स्थित दुकान के टूटे ताले देखते हुए। फोटो: हरिभूमि

थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा, आबादी क्षेत्र में शराब ठेका नहीं खोलने की मांग

धन्नौदा रोड पर शराब ठेका खोलने के विरोध में किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

अटेली के धन्नौदा रोड स्थित वार्ड तीन व चार के रिहायशी क्षेत्र में शराब का ठेका स्थापित करने के विरोध में वार्ड व रोड के साथ रहने वाले लोगों ने प्रदर्शन का शराब ठेका नहीं खोलने की मांग की तथा थाने जाकर थाना प्रभारी को एक ज्ञापन सौंपा।

वार्ड तीन की पार्षद प्रेमलता के पति बिरेंद्र सिंह के नेतृत्व में वार्ड के लोगों का कहना था कि यहा ठेका खुलने से असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होने के साथ समीप रेल लाइन होने के कारण हादसा का अंदेशा बना रहेगा। पार्षद प्रतिनिधि बिरेंद्र सिंह ने बताया कि कस्बे के लोग रात्रि को इसी रास्ते से टहल कदमी करने के साथ, स्कूल की छात्राओं का आने जाने का

मंडी अटेली। शराब ठेका खोलने के विरोध में प्रदर्शन करते धन्नौदा रोडवासी। फोटो: हरिभूमि

यही रास्ता है।

इसके अलावा इस स्थान पर दो मंदिर भी है तथा रेलवे लाइन समीप होने के चलते शराब पीने के बाद बेहोश अवस्था में दुर्घटना का बड़ा कारण हो सकता है। ठेके को खोलने को लेकर महिलाओं में खासा रोष व आक्रोश है। इनके पास जगह की अनुमति भी नहीं है।

प्रदर्शन करने वालों में एडवोकेट सुमित गौड़, सुनील प्रजापति, अनिल, राजेंद्र, भूदेव टेलर, महेश, श्याम सुंदर, उमराव सिंह ठेकेदार, कालू चक्की वाला, किशोरी जांगिड़, चेतराम, बिरेंद्र टेलर सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वार्ड पार्षद प्रेमलता ने कहा कि ठेका खोलने के लिए पार्षद से किसी प्रकार की अनुमति भी नहीं ली गई। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि अगर ठेकेदार अपनी मनमानी से नहीं माने तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। महिलाओं सुनीता, अनीता, निर्मला, बिमला, कौशाल्या, चंपा आदि ने बताया कि अगर जरूरत पड़ी तो जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

नारनौल। शहर में प्रभातफेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

शहर में निकाली 146वीं प्रभातफेरी

नारनौल। संस्था प्रभातफेरी संगठन की ओर से 146वीं प्रभातफेरी का आयोजन राधा कृष्ण पार्क के पास से किया गया। प्रभातफेरी के मुख्य यजमान लक्ष्मण शर्मा परिवार ने ठाकुर व निशान का पूजन करके गीता पाठ कर प्रभातफेरी का शुभारंभ किया। प्रभातफेरी में भक्तजन राधा नाम संकीर्तन करते हुए मुख्य यजमान के निवास स्थान से बावड़ीपुर, आर्य चौक, सलामपुरा के पास के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः शुभारंभ स्थल पर पहुंचे। संस्था के वरिष्ठ सदस्य जोगिंद्र अग्रवाल व महेंद्र सैनी, नवीन जैन ने बताया कि प्रभातफेरी में लोगों ने ठाकुर जी का भव्य स्वागत किया। प्रसाद बाटकर व पुष्प वर्षा करके ठाकुर जी की आरती उतार कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। रास्ते में जगह जगह धर्म प्रेमी लोगों ने पुष्प वर्षा व प्रसाद वितरित करके ठाकुर जी का भव्य स्वागत किया। मनिंद्र सैनी ने ढोलक की थाप व नगाड़े, मंजीरे, ढप बजा करके राधा नाम की ऐसी अलग जगाई की लोग नाचने के लिए मजबूर हो गए। आरती के बाद टॉफी व माखन मिश्री का भोग लगाकर सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

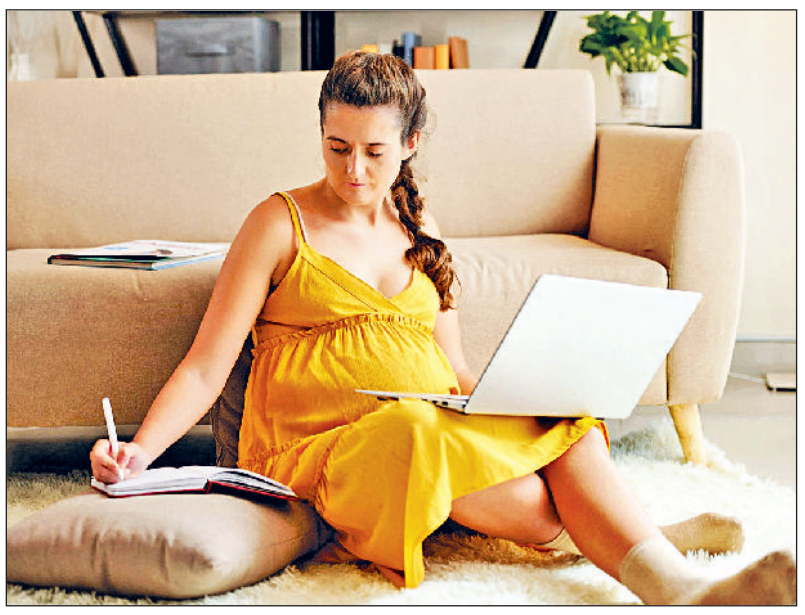

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

गतांक से आगे...

अभी तक आपने पढ़ा कि नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी।

अब आगे...

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

अ दीप्ति ससुराल जाती ट्रेन में बैठी हज़ारों बातें सोचती है, मेरा भी उतना ही अधिकार है पापा की संपत्ति पर, जितना दोनों भाइयों का है लेकिन अम्मा दो-पांच हज़ार की विदाई देते कैसा मुँह बनाती हैं ! भाभियों की कौन कहे, वे पराए घर से आई हैं, जब जन्म देने वाली माँ ही पराया मानती है।"

सोचती जाती है और आँसू बहते जाते हैं। पति ने टोका,"ट्रेन में मत रोओ। सब देख रहे हैं। अच्छा, बताओ, विदाई कितने की मिली है ?"

शादी को एक साल हो चला। इस बीच एक बड़ा झगड़ा हुआ। सास वेणी एक शादी-समारोह में गई थी जहाँ बहू की बड़ी भाभी सुरेखा से भेंट हो गई। बातों-बातों में वेणी बोली,

"कानों में तो बड़े सुंदर झाले पहने हैं सुरेखा तुमने! पुराना सोना जान पड़ता है।"

"हाँ ! ये मेरी मम्मी ने दिए थे।"

"बहुओं से भर-भर के दहेज लिया और बेटी को देते अंटी न खुली !"

"ऐसा क्यों कहती हैं आंटी जी ? क्या कमी रखी है हमने? क्या नहीं दिया जो अब तक माँगती हैं ?"

सुरेखा की बात सुन वेणी तिलमिला उठी।

"हम ही क्यों बनवाएं उसके लिए जब मायके वाले इतना भी न दे सके ? अपनी बेटियों को मैंने दो-दो जोड़ी बुँदे, झुमकियाँ बनवा कर दी थीं !"

"क्या बात करती हैं? तोला भर सोने की झुमकियाँ बनवा कर दी थीं हमने विदाई में। दीप्ति दीदी ने बताया नहीं आपको ?"

"तोले भर सोने की झुमकियाँ ?"

सास के गुस्से का कोई पारा न रहा। घर आकर इतनी ऊँची आवाज में कलह किया कि पड़ोसी अपने-अपने फ्लैट्स के दरवाज़े खोलकर बाहर आ गए। ससुर रोकते जाते थे, बेटा रोकता जाता था लेकिन सास की आवाज़ आसमान तक बुलन्ध थी। लेकिन बहू एक चुप, हजार चुप !

'योगेश, अब या तो तेरी बहू उन तोले भर सोने की झुमकियों का हिसाब दे या निकल जाए इस घर से !"

"बताती क्यों नहीं, कहाँ हैं झुमकियाँ?" जब पति ही मारने को आगे बढ़ा तो दीप्ति ने मरी-मरी सी आवाज में कहा,

"खो गईं।"

"खो गईं ? तोले भर सोने की झुमकियाँ खो गईं? कैसे खो गईं ? क्या अपने पापा को दे आईं?"

योगेश मारता उसे अगर बीच में ससुर न आ गए होते। सास का गुस्सा महीनों शांत न हुआ। ननदें फोन करतीं तो वो बहू को सुना-सुना कर हज़ार बातें सुना देती उसके मायके वालों को।

दीप्ति से खूब काम लिया जाता। घर के कामों से फारिग होती तो बाहर के कामों की सूची तैयार रहती। जब से शादी हुई, घर में योगेश ने इधर की सींक उठाकर उधर न रखी थी। दीप्ति ही बाजार, सौदा-सुलफ सब करती। कभी पलंबर को बुलाती, कभी कबाड़ी को रद्दी तुलाती।

लेकिन इस सब के बीच, उसके मन में पढ़ाई की लगन लगी रहती। सास वेणी देखती और कुढ़ती। एक रात सास की नींद खुली तो देखा ड्राइंग रूम की बत्ती जल रही है। रात के ग्यारह बजे थे। बहू हॉल में दीवान पर बैठी कुछ लिख रही थी।

"अरे ! अब तक जागती हो ? सवेरे फिर योगेश का टिफिन बनाने में आलस करोगी। जाओ सो जाओ।"

"नहीं। मैं बना दूँगी सब समय पर।"

"लाइट बंद करो और जाओ। इधर की बत्ती जलती है तो मुझे अपने कमरे में नींद नहीं आती।"

"लेकिन, मैं तो हमेशा यहीं पढ़ती हूँ; अभी तक तो आपने कभी नहीं कहा ऐसा !"

"तो अब कह रही हूँ, ये बत्ती न जलाया करो।"

"तो रात को मैं कहाँ पढ़ूँ ? कमरे में टेबल लैम्प से भी इनकी नींद में खलल पड़ता है।"

बहू अपने आप से कहती चली गई और रसोई में बत्ती जलाकर फिर लिखने लगी। उस दिन से दीप्ति ने हॉल या रसोई में पढ़ना बंद कर दिया। फ्लैट में हॉल के अलावा दो ही तो कमरे थे। अब कहाँ पढ़े ? वो रात को बाथरूम में बैठकर नोट्स बनाती; और दिन में किताब खोले घर के कामकाज के बीच कुछ-कुछ याद करती रहती। कभी कलाई पर, कभी हथेली पर, कुछ उतार लेती और मन में दोहराया करती। बी.एड. के साथ-ही-साथ वो शिक्षक पात्रता परीक्षा की भी तैयारी कर रही है। सोचती, बी.एड. कर लेगी और अगले ही साल शिक्षक पात्रता परीक्षा भी पास कर लेगी तो सरकारी शिक्षक की नौकरी करने के योग्य हो जाएगी। छह महीने बाद, तीसरे सेमिस्टर की परीक्षा का रिजल्ट आया जिसमें दीप्ति ने अपने कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त किया। गर्भवती हो गई थी तो भी स्कूटी चलाकर कॉलेज जाती रहती। गर्भावस्था के पूरे दिन चल रहे हैं; और बी.एड. अंतिम वर्ष के फाइनल सेमिस्टर की परीक्षाएं भी। हर दिन मनाती है, बस परीक्षा पूरी हो जाए तब डिलीवरी हो ! लेकिन ...जो भाग्य बदलने निकलते हैं, उन्हें सबसे पहले अपनेआप से लड़ना पड़ता है !

नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है।

रात से हल्का-हल्का दर्द हो रहा था लेकिन वो सब कामकाज करती रही और साथ में किताब भी खोले रही। कल तीन बजे उसका आखिरी पर्चा है। लेकिन सुबह होते-न-होते दर्द की लहर काबू से बाहर हो गई। सास के साथ ऑटो से वो सरकारी अस्पताल पहुंची और आधे ही घंटे में उसकी डिलीवरी हो गई।

आगे एक घंटा तो दिमाग कुछ न जानता था। तंद्रा-सी थी। बस अपनी बेटी को सीने से चिपटाए आँखें बंद किए पड़ी रही। घंटे भर बाद, उसकी आँखें आधी खुलीं। सामने दीवार घड़ी दोपहर के बारह बजा रही है।

"मेरा पेपर है तीन बजे !"

"अब काये का पेपर ? अब इस लड़की को सम्हालो ! मैं घर जा रही हूँ; गुड़ बनाकर लाती हूँ। घर का खाना भी बनाना है। रात तक आ जाऊँगी या योगेश आ जाएगा सोने यहाँ। कल अपने मायके से बुला लो किसी को। अकेले मुझसे नहीं करते बनेगा सब।"और सास फोन लगाती हुई बाहर निकल गई।

"हाँ चंचल ! तुम बुआ बन गयीं! और क्या होना था! मैं तो पहले ही कहती थी, लड़की ही जनेगी!"

जाती हुई सास की बात दीप्ति के कानों में पड़ती है। वो सुनी-अनसुनी कर देती है। पति योगेश को किसी ने बताया है अथवा नहीं, दीप्ति को नहीं पता। उसने बेटी को निहारा, फिर घड़ी देखी।

-परीक्षा देनी है !

प्रसूता पुकारती है, "कोई है?"

कोई नहीं सुनता। उसने फिर अपनी ताकत जुटाकर पुकारा है, "कोई मदद कर दो !"

भाग्य द्वार तक आया, लेकिन भीतर नहीं। एक नर्स झाँककर पूछती है, "क्या बात है ? तुम्हारे साथ कोई नहीं? क्या कुछ खाने को चाहिए?"

"मेरा बी.एड. का पेपर है तीन बजे से। क्या गाड़ी मिल जायेगी एग्जाम सेंटर तक जाने के लिए ?"

नर्स अवाक उसे देखती रह गई। हज़ारों जचगी इस अस्पताल में देखीं-करवाईं, ऐसी जनानी नहीं देखी !

वो निवेदन दोहराती है; नर्स क्या कहे !

"मैडम से पूछकर बताती हूँ।"

और नर्स डॉक्टर के सामने है।

"बिल्कुल नहीं! अभी घंटे भर पहले ही डिलेवरी हुई है। अब 24 घंटे तो बिस्तर से उठने की अनुमति नहीं दे सकते !"

नई डॉक्टर अपने कागज़ों में उलझी, उत्तर देकर इस बात को भूल जाती लेकिन ... कोई है जो लड़ रहा है भाग्य से ! ... भाग्य विधाता से !

"मैडम जी प्लीज !" सामने एक अधमरी-सी आवाज़ है।

डॉक्टर नज़र उठाकर देखती है।

"मेरा पेपर है बी.एड. का। फिर नहीं कर पाऊँगी। न फिर फीस भर पाऊँगी। प्लीज मुझे एग्जाम सेंटर तक पहुँचा दीजिए।"

दरवाज़े से टिकी सद्य प्रसूता अपनी नवजात को लिए किसी तरह खड़ी है। या तो वो खुद ही गिर जाने वाली है या उसकी गोद से नवजात खिसकी जाती है।

उसकी गंभीर हालत देख डॉक्टर चिल्लाती है, "तुम पागल हो क्या!"

जच्चा-बच्चा को वापस बेड तक पहुँचाया गया। बड़े डॉक्टर साहब से बात की गई। गाड़ी तो अस्पताल में कोई मौजूद थी नहीं। एक गाड़ी बाहर गई हुई है। समय रहते लौट आई तो कुछ हो सकता है। नई डॉक्टर मदद के लिए दूसरे अस्पताल फोन लगा रही है। गाड़ी की व्यवस्था होते-होते दो घंटे निकल गए। अस्पताल से एग्जाम सेंटर 35 किलोमीटर दूर है। गाड़ी में जच्चा-बच्चा को लिटाया गया और नर्स क्योंकि वैसे ही स्टाफ में कम हैं, वर्क लोड बहुत ज़्यादा। एक सफाईकर्मी दीदी को साथ कर दिया गया। वे चलीं तो नई डॉक्टर पीछे से देखती, अपने मित्र ट्रेनी डॉक्टर को फोन करती कहती है, "अभी पता है क्या हुआ ?"

... किसी की मदद कर, वो इस पल अपनी ही नज़रों में हीरो है !

एग्जाम सेंटर तक वे पहुँची हैं और सहायिका दीदी को नवजात दे, किसी तरह दीप्ति एग्जाम सेंटर के अंदर तक पहुँचती है। परीक्षा चालू हो चुकी है। सैकड़ों परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। उसे देख चलते पेन रुक-रुक जा रहे हैं।

"सर! मैडम ! मेरे पास प्रवेश पत्र नहीं है लेकिन मुझे अपना रोल नंबर याद है। और आप तो मेरे पिछले पेपर में भी ड्यूटी पर थीं। प्लीज मुझे पेपर देने दीजिए। क्या मैं बहुत लेट हो गई हूँ ?"

वो पन्द्रह मिनट लेट हो चुकी है लेकिन उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने दिया गया। उत्तर पुस्तिका और प्रश्न पत्र दिया गया। वो खड़े-खड़े ही किसी तरह उत्तर पुस्तिका पर लिखना शुरू करती है।

"बैठ कर लिख लो।" परीक्षक मैडम उससे कहती हैं।

"बैठ नहीं पाऊँगी। चार घंटे पहले डिलीवरी हुई है।"

"तो क्यों आईं परीक्षा देने ऐसे हाल में ? अपनी और इसकी जान को खतरे में डाल कर ?"

"जेवर बेचकर फीस भरी थी; छूट जाती पढ़ाई तो फिर नहीं कर पाती।"

परीक्षक उसे दो पल को देखती रहीं फिर केंद्र अध्यक्ष के कक्ष की ओर तेज़ कदमों से चली गईं। केंद्र अध्यक्ष ने सुना तो सन्नाटे में आ गए। कोई नरम बिस्तर या आरामदायक खटिया तो नहीं थी लेकिन एक तख्त का इंतजाम कर दिया गया, एक खाली पड़े कक्ष में।

आधे घंटे बाद, अपनी उत्तर पुस्तिका, प्रश्न पत्र, सहायिका और नवजात के साथ सद्य प्रसूता को उस कक्ष में तख्त तक पहुंचा दिया गया।

कोई तकिया नहीं। एक परीक्षक ने अपना पर्स दे दिया है जिसे सिरहाने लगाए, सद्य प्रसूता उत्तर पुस्तिका लिखने में लीन है। बीच-बीच में एग्जाम सेंटर के अन्य परीक्षक आ–आकर उसे देख जा रहे हैं। चार घंटे की डिलीवरी में एक परीक्षार्थी पेपर देने आई है !

बीच में, नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम-अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है। (समाप्त)

लघुकथा

विकास यशकीर्ति

पांचवां बेटा

दौलत राम। तुम्हारे चार चार बेटे होते हुए भी आज ये नौबत आ गई कि तुम्हें अपना पुश्तैनी मकान गिरवी रखना पड़ रहा है।' सेठ हजारी प्रसाद दौलत राम के सामने प्रेनोट रखते हुए बोला। 'और सुना है - परदेस में अच्छा कमा रहे हैं।' चश्मे को नाक की नोंक पर रखकर हज़ारी प्रसाद ने दौलत राम को नंगी आंखों से घूरते हुए अपना व्यंग्य बाण चलाया।

'क्या करें, सेठ जी। सब के अपने अपने खर्चे हैं, अपनी अपनी जिम्मेवारियां हैं।' जग हंसाई से बचने के लिए अपने नालायक बेटों की छोटी-मोटी वकालत दौलतराम खुद ही कर लिया करता था। दौलत राम ने प्रनोट पर साइन करने के लिए जैसे ही पेन उठाया, उसके फोन पर एक मैसेज चमका ' रुपे फाइव लैक्स इन यूअर अकाउंट' दौलत राम फ़ोन में आए इस मैसेज की गहराई को परत दर परत खोलने लगा। तभी एक टेक्स्ट मैसेज और फ्लैश हुआ।

' क्या सिर्फ कहने के लिए बेटा कहते थे, पापा ?'

इस बार दौलतराम ने देखा, मैसेज नेहा बिटिया का था जिसके दो साल पहले उसने हाथ पीले कर दिए थे। दौलतराम हैरानी के साथ फोन को निःशब्द होकर देखता रहा। 'किसका मैसेज है दौलत राम ?' हजारी प्रसाद ने दौलत राम की तंद्रा भंग की। दौलत राम की आंखों में नमी थी। 'कौन है ? ' सेठ फिर चिल्लाया। 'पांचवा बेटा' सिर्फ ये दो शब्द बोलकर दौलतराम कांपता हुआ उठा और प्रनोट वापस हजारीप्रसाद को देकर आंखे पौंछता हुआ बाहर चला गया।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

ज़माने की कशमकश

मुझे लगता है ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ
इस कशमकश में कल कोई और था
आने वाले कल में कोई और होगा
ज़माने की कशमकश में
मै अकेला तो नहीं हूँ

जो दिखता है ख़ुश ज़िंदगी में
क्या पता, वो भी परेशान हो जिंदगी में
मुझे मेरे ही ग़म लगते हैं ज्यादा
क्या पता, नहीं दिख रहे
उसके ग़म हो मुझसे भी ज़्यादा

दर-ब-दर भटकता रहा मैं
हर एक कदम पे ख़ुद से लड़ता रहा मैं
एक नई उम्मीद की तलाश में
अपनों से दूर चला गया मैं
ज़माने की इस काशमकश में

जीवन है ही संघर्षों का मेला
सब लगे हैं जिंदगी की कशमकश में
आज मैं हूँ, कल तुम
फिर कोई और होगा
ज़माने की इस कशमकश में
मुझे लगता है मैं अकेला तो नहीं हूँ
जमाने की इस कशमकश में

कविता

प्रज्ञा गांधी

वो लड़की

परियों जैसी है वो लड़की
भोली और शैतान बड़ी
समझदार भी है कितनी
और कितनी नादान भी
उसकी आंखें देखी मैंने
आंखों से बातें करती है
कितनी प्यारी लगती है
जब हिरण सी चलती है
सुनहरी जुल्फें हैं उसकी
प्यारी प्यारी बातें हैं उसकी
कितनी मासूम है वो
और हजारों उसकी शरारतें हैं
छोटी छोटी बातों पर भी
वो खुश हो जाती है
छोटी छोटी बातों पर ही
आंसू भी वो भरती है
पर, सपने हैं उसके बड़े
आसमां में उड़ना चाहती है
स्वाभिमान के लिए
आत्मसम्मान के लिए
और कुछ कर गुजर जाने के लिए
जिद बड़ी है उसकी
बाती बनकर जलने की
रोशनी फैलाने की
परियों जैसी वो लड़की
भोली और शैतान भी

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक नीरु मित्तल का मानना है कि आज के आधुनिक युग में भी साहित्य गतिशील है और गद्य हो या पद्य, दोनों विधाओं में ही नवीन शैलियों का विकास हो रहा है। लघुकथा, लघुकविता, नवगीत जैसी विधाएं अपने उत्कर्ष की ओर अग्रसर हैं। छायावाद से आगे हम प्रयोगवाद पर आ गए हैं। साहित्य पर सामाजिक, राजनीतिक चेतनाओं का गहरा प्रभाव पड़ा है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और समाज एक-दूसरे के बिना अधूरे: डॉ. नीरू मित्तल

साहित्य के क्षेत्र में कविता, गजल, कहानी, व्यंग्य, लघुकथा, लेख निबंध, समीक्षा जैसी विधाओं का मानवीय एवं सामाजिक सरोकार के लिए काफी महत्व है। इन्हीं मूल्यों को लेकर साहित्यकार एवं लेखक साहित्य सृजन करने में जुटे हैं, जिसमें लेखकों का मकसद समाज को नई दिशा और सकारात्मक विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं जुड़े रहने का संदेश देना है। लेखिका एवं साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल अपनी ऐसी ही लेखन विधाओं के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य साधना करती आ रही हैं। अपने साहित्यिक सफर को लेकर डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' ने कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज और साहित्य एक दूसरे के बिना जीवंत नहीं रह सकते।

वरिष्ठ महिला साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल का जन्म 26 जून 1958 को अजमेर (राजस्थान) में हरिश चन्द्र गुप्ता और दम्यंती देवी गुप्ता के घर में हुआ। परिवार में कोई भी साहित्य माहौल नहीं था लेकिन उन्हें बचपन में ही तुकबंदियां करते हुए कुछ न कुछ लिखने में अभिरुचि हुई। स्कूल में भी वे कविताएं सुनाती और उनकी लिखी कविताएं स्कूल और कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित होने लगी, तो उनके पिताजी ने बहुत प्रोत्साहित करना शुरु कर दिया। उनके लेखन की शुरुआत कविताओं से हुई, लेकिन वह जल्द ही कहानियां भी लिखने लगी। जब वह कॉलेज में पढ़ रही थी, तो उनकी रचनाएं आकाशवाणी पर प्रसारित होने लगी और पिता अजमेर से रिकार्डिंग के लिए आकाशवाणी केंद्र जयपुर ले जाते थे। बकौल डॉ. नीरू मित्तल, साल 1981 में उनकी जयपुर में बैंक ऑफ बडौदा में नौकरी लग गई। इसके बाद साल 1984 में उनका विवाह हरियाणा के पंचकूला में हुआ। इस वजह से उन्होंने अपना स्थानांतरण पंचकूला की बैंक शाखा में करा लिया और यहीं से वह सेवानिवृत्त हुई। हालांकि शादी के बाद वह अपनी बैंकिंग की नौकरी, परिवार और बच्चों में अत्यधिक व्यस्त हो गई और लेखन बहुत सीमित रह गया। लेकिन इस दौरान भी वह नराकास के कार्यक्रमों में भाग लेती रही और पुरस्कार जीतती रही। बच्चे जब कॉलेज में चले गए और उन्हें कुछ समय मिलने लगा तो साहित्य के प्रति लगाव पुनः जागृत हो गया और उन्होंने हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य सृजन को नई दिशा दी। उनकी रचनाओं का फोकस मुख्य रूप से समाज में व्याप्त विडंबनाओं, कुंठाओं बेबसी, आक्रोश, अनेक विषमताएं और लोगों की जिजीविषा जैसे सामाजिक सरोकार के मुद्दे और समस्याओं पर रहा है, इन्हीं पर उनकी कलम सक्रिय रही, जिसमें नारी विमर्श भी उनके लेखन में स्वतः ही झांकने लगा। बकौल नीरु मित्तल, साहित्य के अलावा उन्हें गायन और नृत्य का भी शौक रहा है। वह अपने हम उम्र साथियों के लिए नृत्य कोरियोग्राफ भी करती हैं। जहां वे कहानी, लघुकथा, लेख निबंध, कविता, साक्षात्कार, समीक्षा, व्यंग्य, यात्रा संस्मरण, समीक्षा और साक्षात्कार ज जैसी विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटी हैं, वहीं वह योगा शिक्षिका भी रही और सामाजिक गतिविधियों में भी वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी किये हैं।

उन्हें देश के वरिष्ठ साहित्यकारों व रचनाकारों का सानिध्य मिला है। उनकी रचनाएं देश ही नहीं विदेश के पत्र-पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं। चंडीगढ़ दूरदर्शन केंद्र और आकाशवाणी केंद्र जयपुर से समय-समय पर उनकी कविताओं व रचनाओं का प्रसारण तो हो ही रहा है, वहीं रेडियो 'अपना विनीपेग' कनाडा और 'जस टीवी' कनाडा पर भी उनके साहित्यिक काव्य पाठ कार्यक्रम और साक्षात्कार प्रस्तुत हुए हैं। कई विदेशी मंचों जैसे 'रूट्स टू हिंदी काव्यांजलि' शिकागो, 'निर्मल रोशन मंच' न्यूयॉर्क, 'महिला काव्य मंच' इंडोनेशिया पर भी वे अपनी कविताएं प्रस्तुत कर चुकी हैं। यहाँ वह यह बात अवश्य कहना चाहती हैं कि विदेश में बैठे भारतीय अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपने देश से कहीं गहराई से जुड़े हुए हैं। वह उनकी निष्ठा और समर्पण को नमन करती हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. नीरू मित्तल की प्रकाशित पुस्तकों में काव्य संग्रह-अनकहे शब्द, शब्दों की परछाइयाँ, चट्टान पर खिले फूल, पंचतत्त्व और मैं, कहानी संग्रह-रिश्तों की डोर, कोहरे से झाँकती धूप, लघुकथा संग्रह-तिनका तिनका मन, प्रतिबिम्बों की अनंत यात्रा, बाल साहित्य-मेरे वर्णमाला गीत, छू लो आसमान प्रमुख रूप से पाठकों के सामने हैं। उन्होंने खुशियाँ लौटेंगी, सुनहरी यादों के झरोखों से नामक पुस्तकों का संपादन भी किया। वहीं पंजाबी रचनाओं का अन्य भाषाओं में अनुवाद भी किया है।

डॉ. नीरू मित्तल

पुरस्कार व सम्मान

लेखिका डॉ. नीरू मित्तल को हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान, बाल सहित्य सम्मान, डॉ कैलाश अहलूवालिया स्मृति सम्मान पुरस्कार, डॉ. श्यामसुंदर व्यास स्मृति सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य शिरोमणि सम्मान, स्मृति साहित्य सम्मान, संस्कृति संवाहक पुरस्कार, शब्द निष्ठा सम्मान, लघुकथा सेवी सम्मान, साहित्य सारथी सम्मान और मां भारती साहित्य के सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'
जन्मतिथि : 26 जून 1958
जन्म स्थान : अजमेर(राजस्थान)
वर्तमान निवास : पंचकूला (हरियाणा)
शिक्षा : एम. कॉम, सी.ए.आई.आई.बी
संप्रति : बैंकिंग सेवा से निवृत, साहित्यकार, कथाकार, कवयित्री, योग शिक्षिका

सामाजिक उपयोगिता का कविता संग्रह 'मैं पेड़ हूँ'

पुस्तक : मैं पेड़ हूं
लेखिका : अर्चना कोचर
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : इंडिया नेट बुक, नोएडा

पुस्तक समीक्षा

डॉ. ज्ञानप्रकाश 'पीयूष'

साहित्य लेखन एवं समाज सेवा में संलग्न, अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्मानित, सुप्रतिष्ठित साहित्यकार अर्चना कोचर किसी परिचय की मोहताज नहीं।

' मैं पेड़ हूँ' लघुकविता-संग्रह इनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक है, जो भाव सौंदर्य एवं शिल्प सौष्ठव की दृष्टि से बहुत प्रभावशाली है। यह पुस्तक विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों को आधार बनाकर दस-दस पंक्तियों के मुक्त छंद में सृजित की गई हैं तथा उनके औषधीय गुणों, सामाजिक उपयोगिता एवं पौराणिक उपादेयता को दृष्टिगत रखते हुए प्रांजल भाषा में व्यंजित की गई हैं। रुद्राक्ष, पीपल,कदम्ब, अशोक बरगद, अक्षय वट के साथ चंदन, देवदार, चीड़,नीम, सागवान,पलाश, अमलतास गुलमोहर, शीशम, सफेदा, बबूल, आदि छायादार एवं सहजता से उपलब्ध पेड़ों के महत्व को भी प्रतिपादित किया गया है तथा आँवला, आम अनार,अमरुद, सेब,जामुन, नारियल, अंजीर,सुपारी, जायफल, नींबू, केला, बादाम, अखरोट, काजू ,खुबानी, पिस्ता, चिलगोजा, आलू बुखारा, आदि फलदार वृक्षों पर भी सारगर्भित लघुकविताओं का सृजन किया गया है जो अत्यंत श्लाघनीय है। ये कवयित्री के अद्भुत रचना कौशल, साहस, परिश्रम एवं जुनून को प्रतिपादित करता है। इनके अतिरिक्त मखाना, पान बनारस वाला, आल स्पाइस,केसर, तुलसी,आक, शमी, सप्तपर्णी, लता मंजरी जैसे अनेक पेड़-पौधों को भी कलमबद्ध किया गया है जो कवयित्री की आन्तरिक प्रतिभा,अध्यवसाय, एवं सृजन क्षमता को रेखांकित करती हैं। 'नारियल का पेड़' लघु कविता एक बिम्बात्मक चित्र द्रष्टव्य है- खाने को फल, तंदुरुस्ती के लिए पानी/ दूध-मलाई की, कल्पवृक्ष ने लिखी कहानी/ सुख समृद्धि में, श्री हरि विष्णु, लक्ष्मी का कृपानिधानी/ त्रिदेव के त्रिनयन, श्रीफल की इष्ट अर्पण बानी है/ पवित्र कलश में विराजित/ मंगल कार्यों में श्रीगणेश/ हवन की पूर्णाहुति, नवरात्र, कन्या पूजन में विशेष/ जन्म पूजन में नारियल, कफन में चढ़ता यह विनेश है /नारियल का तेल केश निखार/त्वचा की मसाज है/ ताड़- शराब, कठोर खोल,चारकोल/ इसका अंग-अंग कीमती/ लोगों का इलाज है। इसकी भाषा अत्यंत सरल एवं शैली सरस व सारगर्भित है। यह कृति हर दृष्टि से उपादेय है और अर्चना कोचर की सकारात्मक सोच एवं आशावादी दृष्टिकोण की परिचायक है। उत्कृष्ट कृति के लिए कवयित्री को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

उनींदा में भाजपा ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनींदा में धूमधाम से मनाई। समारोह में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर तथा पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देकर सेमिनार एवं भाषण प्रतियोगिता करवाई गई। उसके बाद जयंती समारोह पर कई जगहों पर फलदार एवं छायादार पौधे लगाकर एक 3पेड़ मां के नाम के तहत शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि भारत माता के इस वीर पुत्र का जन्म छह जुलाई 1901 को एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। इनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी बंगाल में एक शिक्षाविद् और बुद्धिजीवी के रूप में प्रसिद्ध थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक होने के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी 1923 में सेनेट के सदस्य बने। अपने पिता की मृत्यु के पश्चात 1924 में उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में नामांकन कराया।

1926 में उन्होंने इंग्लैंड के लिए प्रस्थान किया, जहां से 1927 में बैरिस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की। वह स्वतंत्र भारत तीन साल तक मंत्री के रूप में अपनी भूमिका निभाई कई अहम काम किए जो बाद में भारत के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर भी साबित हुए। भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार ने बताया कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार एक भारत का सूत्र है। आज देश में राम मंदिर का निर्माण हुआ। कश्मीर से कनेक्टिविटी बढ़ रही है हर मोर्चे पर वही भाव झलक रहा है, जो डॉ. मुखर्जी ने बोया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की उस कल्पना को साकार कर रहा है, जिसके न सिर्फ उन्होंने सपने देखे थे, बल्कि अपना जीवन भी बलिदान कर दिया था। 125वीं जन्म जयंती पर नमन है। इस मौके पर कर्मवीर खिंची, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नरेंद्र सराय, मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार, इंद्रजीत यादव, अशोक, महेंद्र, एडवोकेट अनीता, आशा के अलावा मेरा युवा भारत नारनौल, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा मुरलीवाला सहभागिता फाउंडेशन का विशेष योगदान रहा।

मंडी अटेली। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर प्रकाश डालते हुए।

नारनौल। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर पुष्प अर्पित करते विधायक ओमप्रकाश यादव।

डॉ. मुखर्जी की वजह से कश्मीर भारत का हिस्सा बना: ओमप्रकाश यादव

नारनौल। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने अपने कैंप कार्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर ओमप्रकाश यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी न होते तो कश्मीर कभी भारत का अभिन्न अंग नहीं बन पाता। उन्होंने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा बुलंद करते हुए कश्मीर के लिए खुद को बलिदान कर दिया। आज पश्चिम बंगाल हमारे राष्ट्र का हिस्सा है, इसका पूरा श्रेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी व स्वामी प्रणवानंद को जाता है। उन्होंने तुष्टीकरण की नीति के विरोध में जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था। उन्होंने 10 सदस्यों के साथ जो पार्टी शुरू की थी, वह आज 12 करोड़ लोगों की सदस्यता के साथ दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। यादव ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए ही जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटाने का कार्य किया है, जम्मू कश्मीर में अमन शांति और खुशहाली लोटी है।

प्रतियोगिता में राव नेतराम स्कूल के विद्यार्थियों ने लिया भाग

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। खेल विभाग की ओर से खेल महाकुम्भ प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विधालय सतनाली में किया गया। जिसमें जिला स्तर पर राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर के खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। खिलाड़ियों को जीत की बधाई देते हुए विद्यालय प्राचार्य अनिता देवी ने बताया इस प्रतियोगिता में ट्रिपल जम्प में दुर्गेश कांटी द्वितीय, शुभम कांटी 400 मीटर रेस में तृतीय, प्रिया वाक रेस में प्रथम, सिमरन 100 मीटर व 200 मीटर में प्रथम, गीतान्जलि वाक रेस में तृतीय, नियती लॉन्ग जम्प में द्वितीय, खुशबू हाई जम्प में द्वितीय, अमन वाक रेस में द्वितीय, कबड्डी टीम में नन्दनी पुत्री सुनिल गुजरवास, क्रिकेट की टीम में जतिन पुत्र अनुप सलीमपुर, मितेन्द्र पुत्र नरेश खारीवाड़ा, यश उन्नीदा ने चयनित होकर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह खिलाड़ी राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगें। इस मौके पर विक्रम डीपीई व विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

आरपीएस की पूर्वा सिंह सीयूईटी परीक्षा में बनी हरियाणा टॉपर

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

■ आरपीएस की पूर्वा सिंह ने आल इंडिया तीसरी रैंक प्राप्त कर किया विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन

आरपीएस स्कूल की होनहार छात्रा पूर्वा सिंह पुत्री कुलदीप सिंह ने प्रतिष्ठित सीयूईटी परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर तीसरी रैंक हासिल करने के साथ हरियाणा टॉपर बनने की उपलब्धि हासिल कर अपने विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह उत्कृष्ट उपलब्धि न केवल पूर्वा के लिए एक व्यक्तिगत जीत है, बल्कि पूरे आरपीएस स्टाफ के लिए गौरव का क्षण है।

छात्रा की इस उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव व प्राचार्या शिवा यादव सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने छात्रा को बधाई देते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल गुरुग्राम सेक्टर 89 विद्यालय की प्राचार्या शिवा यादव ने बताया कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को स्नातक के लिए सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी-यूजी) 2025 के परिणामों की घोषणा की। शीर्ष तीन रैंक में आरपीएस की होनहार छात्रा पूर्वा सिंह ने हरियाणा मे 1205.17 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। पूर्वा सिंह आरपीएस इंटरनेशल स्कूल सेक्टर 89 की छात्रा है। जो दसवीं कक्षा में भी विद्यालय में टॉपर रही तथा 12वीं में भी 98.6 प्रतिशत अंक हासिल किए थे।

हरित वसुंधरा आधार समिति ने पटीकरा में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

हरित वसुंधरा आधार समिति की ओर से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और सराहनीय कदम उठाते हुए पटीकरा स्थित श्मशान भूमि में 101 पौधों का रोपण किया गया। यह कार्यक्रम बाबा निहालचंद सेवादल के सहयोग से संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी इसी स्थल पर समिति की ओर से 101 पौधे लगाए गए थे, जो आज सुंदर वृक्षों का रूप ले चुके हैं। इन सभी पौधों की नियमित देखभाल बाबा निहालचंद सेवादल की ओर से की जा रही है। जिससे यह स्थान अब एक हरित क्षेत्र के रूप में विकसित हो रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव थे। उन्होंने समिति की ओर से किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरित वसुंधरा आधार समिति पर्यावरण संरक्षण, जनजागरूकता और सामाजिक सुधार की दिशा में अनुकरणीय कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि समिति न केवल पौधारोपण कर रही है, बल्कि प्लास्टिक और पॉलीथिन के उपयोग के खिलाफ भी लोगों को जागरूक कर रही है। समिति की ओर से कैनवस बैग वितरित कर आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

समिति के आजीवन सदस्य मुकेश सैनी ने बताया कि हरित वसुंधरा आधार समिति पिछले सात वर्षों से निरंतर पर्यावरण सुधार हेतु कार्य कर रही है। अब तक समिति की ओर से चार श्मशान भूमियों को हरित वाटिका में परिवर्तित किया जा चुका है। यह अभियान न केवल हरियाली बढ़ाने का कार्य कर रहा है, बल्कि समाज को भी यह संदेश दे रहा है कि श्मशान भूमि जैसे स्थानों को भी स्वच्छ, सुंदर और उपयोगी बनाया जा सकता है। समिति के उपाध्यक्ष जगदीश यादव ने बताया कि समिति की स्थापना का प्रारंभिक उद्देश्य शहर व इसके आसपास के क्षेत्रों को हराभरा और स्वच्छ बनाना है। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि पौधों की देखभाल और संरक्षण भी हमारी समान जिम्मेदारी है। इस मौके पर बाबूलाल मास्टर, अनिल, संदीप, नितिश, आदर्श, महेन्द्र, विनोद, निशांत, मुकुल आदि मौजूद थे।

नारनौल। गांव पटीकरा में पौधरोपण करते समिति सदस्य। फोटो: हरिभूमि

जेजेपी महिला सदस्यों ने चलाया अभियान अभियान

नारनौल। सदस्यता अभयान चलाते सोनिया जाखड़। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। जननायक जनता पार्टी की महिला शाखा की वरिष्ठ नेत्री सोनिया धनखड़ ने सदस्य अभियान को आगे बढ़ते हुए शहर के मोहला परानपुरा, शिवाजी नगर, अग्रसेन चौक आदि का दौरा कर महिलाओं को पार्टी के साथ जोड़ा। जिला प्रवक्ता विजय छिलरों ने बताया कि महिला नेत्री ने घर घर जाकर सरकार की लचर कानून व्यवस्था के लिए लोगों को बताया ओर कहा कि आम व्यापारी अपनी प्रतिष्ठान पे ओर घर पे सुरक्षित नही है। पिछले दो दिनों से जिले में बलाहा बस स्टैंड पे मार्बल के व्यापारी से वसूली मांगी जाती है और दिन दहाड़े गोलियां चलाई जाती है। कल दौगड़ा अहिर चौक पर पेट्रोल पंप पर लगभग 3:50 लाख रुपये की सरेआम डकैती हो गई। कानून व्यवस्था का दीवाला पीटा हुआ है। महिलाओं की सारे आम मंगलसूत्र और चेन खींची जाती है। महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं। जेजेपी नेत्री ने कड़े शब्दों में सरकार को चेताया कि कानून व्यवस्था दुरुस्त की जाए। पार्टी की सदस्य ग्रहण करने वाली मीरा ,मीनू, फूलन देवी, भादो देवी, टीना, अनीता, सुनीता, सजना आदि ने कहा कि हमें नैना चौटाला के कार्य प्रणाली से प्रभावित होकर सोनिया धड़कन के नेतृत्व में पार्टी की प्रथम सदस्य ग्रहण कर रहे हैं।

तमन्ना मुस्कान ऋतु वर्षा

गणेशी लाल महिला महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा बीकॉम चतुर्थ सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें ककराला रोड स्थित गणेशी लाल महिला महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। गांव भोजावास निवासी छात्रा तमन्ना पुत्री महेंद्र सिंह ने 80 प्रतिशत अंक के साथ विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं करीरा निवासी मुस्कान पुत्री भंवर सिंह ने 78.17 अंक लेकर विश्वविद्यालय में चौथा, गांव धनौंदा निवासी रितु पुत्री हनुमान ने 74.67 अंक लेकर महाविद्यालय में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा गांव चेलावास निवासी वर्षा पुत्री संजीव ने 73.3 अंक लेकर चौथा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा अन्य छात्राओं का परीक्षा परिणाम भी शानदार रहा। महाविद्यालय के अध्यक्ष ने छात्राओं, अभिभावकों और अध्यापकों को उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई दी तथा भविष्य में इससे भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
उगन्ता देवी बच्चों का अस्पताल

20% off CT SCAN & Lab Test TILL 31 JULY 2024
CT SCAN की सुविधा उपलब्ध
24 HOUR SERVICE EVERY DAY

डॉ. सुधा यादव
PEDIATRICIAN AND CRITICAL CARE SPECIALIST & NEONATOLOGIST
MD, DNB, PFCC MIMA, MIAP
EX. MS, RCPCH-UK (AIIMS, PGI)
सुविधाओं
• नवजात शिशु की सभी सुविधाएं एवं NICU, PICU
• वेटीलेटर, CPAP, BIPAP, Oxygen नवजात पीलिया
• बच्चों को दौरा आना, दिमांग में कीड़ा, अपाहिज मंदबुद्धि, दिमाग में पानी (हाईड्रोकेफलस)
• डेंगू, मलेरिया, टायफाईड एवं पीलिया का इंफेक्शन लीव रोग, वजन न बढ़ना, बार-बार दस्त लगना पेट दर्द, गेहूं एलर्जी
• छाती रोग, दमा, निमोनिया, टी.बी., चमड़ी रोग एलर्जी
हर रविवार OPD फीस फ्री
सभी मेजर TPA के तहत कैशलैश ईलाज की सुविधा
नईवाली चौक रेवाड़ी
8059105066, 8570982373

दमा एलर्जी जोड़ों का दर्द
डॉ. रघुबीर सिंह Acu.M.D.
9416901254
फोन पर संपर्क करने का समय प्रात: 8 बजे से सायं 6 बजे तक
शुगर पुराना नजला का इलाज
बिना दवा चीनी मशीन द्वारा
रेवाड़ी: हर सोमवार को मिलें
प्राइम न्यूरो स्पाइन एवं सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल
पब्लिक हेल्थ आफिस के सामने, गढ़ी बोलनी रोड, रेवाड़ी
समय: प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक, सायं 5 बजे से 7 बजे तक
दमा, एलर्जी, जोड़ों का दर्द, शुगर, नजला का ईलाज चीनी मशीन द्वारा जड़ से खत्म किया जाता है।
आज भारत में करोड़ों लोग अस्थमा रोग के शिकार है। अस्थमा का उचित उपचार न करने के कारणप हर वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु भी हो जाती है। अस्थमा रोग किसी भी आयु के व्यक्ति को हो सकता है। अस्थता / दमा यह एक एलर्जी रोग है जिसका समय पर उपचार न करने से रोगी व्यक्ति की हालत गंभीर हो सकती है। अस्थमा का रोकथाम करने के लिए रोगी व्यक्ति को दिए, जाने वाले उपचार की जानकारी और महत्व पता होना जरूरी है।
• श्वसनी दमा फेफड़ों की ऐसी समस्या है, जिससे श्वास नली में बाधा आती है।
• अलग अलग बच्चों में अस्थमा के लक्ष्ण अलग होते है और ये लक्ष्ण एक ही बच्चें में बदलते भी रहते है।
• अस्थमा में श्वास नली पूरी तरह बंद हो जाती हैं, जिससे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को आक्सीजन की आपूर्ति बंद हो सकती है।
• अस्थमा सांस संबंधी रोग है जिसमें व्यक्ति को सांस लेने और छोड़ने में परेशानी होती है। दवाओं के जरिये इसे नियंत्रित तो किया जा सकता है लेकिन ठीक नहीं किया जा सकता है। हमारे इलाज से रोगी को पूर्णतः ठीक किया जाता है।

न्यूरों से संबंधित सभी बीमारियों का एक्यूपंचर द्वारा उपचार
साइटिका सर्वाइकल, फ्रोजन शोल्डर, माइग्रेन, कंधे का दर्द, कमर के हिस्से से पर तक होने वाला दर्द, स्लिप डिस्क, कमर दर्द, हाथों की उंगलियों का कम काम करना, हाथ में लगातार रहने वाला दर्द एवं अन्य लाईलाज न्यूरों की विभिन्न बीमारियों का सफल उपचार।
कौन से ऐसे कारण है जिनसे एलर्जी होती है।
एलर्जी हमारे दैनिक जीवन में भ्रमण करते हुए हमारे आसपास के माहौल/वातावरण से कई कारणों से हा सकती है जैसे पेड़, पौधे, धूल, मिट्टी, पालतु जानवर, दवाएं एवं खाने-पीने की वस्तुएं इत्यादि। 1. एक परिवार के विभिन्न सदस्यों, महिला, पुरूष, बच्चे या वृद्ध की विभिन्न वस्तुओं से एलर्जी हो सकते है। 2. कुछ तो फूलों को छूने से एलर्जी हो सकती है। 3. दूध, दही, मास, मछली का सेवन करने से भी एलर्जी हो सकती है। 4. पॉलीथीन एवं नायलॉन के साथ भी एलर्जी हो सकती है। 5. सौंदर्य प्रसाधनों के प्रयोग से भी एलर्जी हो सकती है।
गठिया: डाक्टर ने बताया कि गठिया शरीर के किसी भी एक जोड़ से दर्द शुरू होता है और धीरे-धीरे शरीर के सभी जोड़ प्रभावित होते हैं। सभी जोड़ों में असहनीय दर्द होता है। गठिया का रोगी सालों इलाज करवा कर भी ठीक नहीं हो पाते और डाक्टर कते हैं कि गठिया में सारी उमर दवा खानी पड़ेगी और दवा खाते रोगी के अंग भी टेढ़े-मेढ़े होने लगते हैं, रोगी बिस्तर पर चला जाता है और चलने फिरने से लाचार हो जाता है। डाक्टर कहते है कि एक्यूपेंचर द्वारा गठिया चाहे कितना पुराना भी हो, गठिया रोग जड़ से खत्म हो जाता है।
आइये जाने क्या है एलर्जी
प्रत्येक मनुष्य भले महिला हो या पुरूष में कुदरत ने बाहरी तत्वों को सहन करने की खास ताकत दी है। फिर भी कई बार ऐसे तत्व जो मनुष्य के शरीर पर दुष्प्रभाव डालने वाले एवं शरीर के भीतर पहुंचने की कोशिश कतेर हैं, तब शरीर के आंतरिक तत्व हलचल में आकर उन उल्टे तत्वों के प्रभाव को शरीर पर पड़ने की कोशिश को रोकते हैं। इस तरह की प्रक्रिया एलर्जी की उत्पत्ति का कारण बनती है। एलर्जी के लक्षण: • शरीर में खुजली • चमड़ी का लाल होना • लाल दाने होना • शरीर में दाने वाली जगह पर सूजन होना। • एलर्जी होने से "एग्जिमा" नाम की बीमारी भी हो जाती है, जिससे जोर से खारिश होना या उस जगह पर पानी का रिसाव होने लगता है। • एलर्जी के कारण कुछ लोगों को अस्थमा नाम की बीमारी हो जाती है। इस स्थिति में रोगी को सांस लेने में परेशानी आती है, फेफड़ों में सूजन होना व जलन होना। • छींकों का आना, नाक बंद होना, नाक की हड्डी टेडी होना, जुकाम होना। • गले में तेज जलन एवं दर्द होना • पेट का दर्द होना • चेहरा, होंट, आंखों में सूजन • जी मिचलाना एवं डायरिया • खाने में तकलीफ

कृपया ध्यानपूर्वक पढ़े

• गठिया रोग (पुराने से पुराना) • घुटनों का दर्द • कमर दर्द • हिप ज्वाईंट पेन • शुगर व बी.पी. • सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस
• क्या आपका चलना-फिरना, उठना-बैठना, सीढ़िया चढ़ना-उतरना या आपके घुटनों की ग्रीस खत्म हो गई है?
• क्या आपके घुटने टेढ़े-मेढ़े हो गए है?
• क्या डॉटरों ने आपको ऑप्रेशन करवाने की सलाह दी है? ऑप्रेशन से पहले एक बार अपने घुटने हमारे अस्पताल में जरूर आकर दिखाए। आपको ऑप्रेशन करवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी बिना ऑप्रेशन आपके घुटने बिल्कुल सीधे और ठीक हो जायेंगे। कुछ ही दिनों में आराम आना शुरू हो जाएगा।

दमा, एलर्जी क्लीनिक के संचालक डॉ. रघुबीर सिंह यादव का कहना कि विशेष मशीनें नजला रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस पद्धति में रोगी को कोई दवाई लेने की जरूरत नहीं होती। डॉ. यादव का कहना है कि इस बीमारी का प्रकोप अब बूढ़े और जवान व्यक्ति के अलावा बच्चों में भी बहुत अधिक हो रहा। रोगी को चाहिए की इलाज में लापरवाही नहीं बरते और अंग्रेजी दवाई से बचना चाहिए क्योंकि अंग्रेजी दवाई आपके शरीर को नुकसान पहुँचती है। नजला एक विजातीय द्रव्य है। हमारे सिर में एक आलफैक्ट्री वाल्व होती है। जिसमें यह जमा रहता है। इसकी सात वाल्व होते है। इसके लीक होने के कई कारण होते है जैसे सर्द-गर्म का बिगड़ना, कफ की अधिकता, सहवास के बाद हवा लगना आदि। नाक के मस्से बढ़ना, नाक रूकना, छींके आना, एलर्जी इत्यादि पहली तीन वाल्व लीक होने से होता है। इसके बाद वाली चार वाल्व लीक होने से यह विजातीय द्रव्य (नजला) गले में अंदर गिरने लगता है, जिसमें सांस की नली जाम हो जाती है। एलर्जी का कोई भी कारण हो यहां ईलाज लेने से रोगी उम्र भर के लिए ठीक हो जाता है। डॉ. यादव के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में दमा मरीजों की संख्या ज्यादा हो रही है। लगातार धूम्रपान करने एवं वातावरण में व्याप्त धूल के कण हवा के कारण यह बढ़ रही है। अगर इसका सही समय पर ईलाज नहीं किया जाता है तो कैंसर होने का खतरा रहता है। कभी-कभी तो आदमी की मौत भी हो जाती है। आजकल यह एक घातक बीमारी सिद्ध हो रही है। इसलिए सही समय के रहते डॉक्टर के पास जांच करवानी चाहिए। यहां इन बीमारियों का ईलाज चीनी पद्धति से किया जाता है। इसमें शरीर में निश्चित बिन्दू होते है, इन बिन्दुओं पर विशेष मशीनों से ईलाज किया जाता है। इसमें कोई चीरे की जरूरत नहीं पड़ती है। हजारों मरीज हमारे यहां फायदा उठा चुके है और उठा रहे है।

विज्ञापन कभी कभी प्रकाशित होता है। विज्ञापन की कटिंग साथ लाऐं।

खबर संक्षेप

शिव भोलेनाथ कावड़ सेवा शिविर 15 से 22 तक

महेंद्रगढ़। शहर के जाटवास मोड स्थित धन्नी देवी धर्मशाला में श्रीश्याम सेवा मंडल की ओर से बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता श्रीश्याम सेवा मंडल के संस्थापक एवं प्रधान रमेश शर्मा ने की। सचिव विकास शर्मा ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से श्रीश्याम सेवा मंडल की ओर से शिवभक्तों के लिए 15 से 22 जुलाई तक शिविर लगाया जाएगा। सभी शिव भक्तों कावड़ पद यात्रियों के लिए शुद्ध देसी घी से बने भोजन, नहान-धोने व रात्रि विश्राम के लिए 24 घंटे अच्छी व्यवस्था की जाएगी। बीते वर्षों की भांति इस वर्ष भी निशु मेडिकल द्वारा शिव भक्तों के लिए निःशुल्क मेडिसिन की सुविधा दी जाएगी।

नियामतपुर-मौरूंड में जागरण-भंडारा कल

नांगल चौधरी। नियामतपुर-मौरूंड व ढिंढोर में आठ जुलाई को जागरण एवं भंडारा कार्यक्रम होगा। जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण के बाद सामाजिक कुरीतियों को मिटाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कमेटी के प्रवक्ता रॉकी सनातनी ने बताया कि मंगलवार की सुबह आठ बजे हवन कार्यक्रम होगा, जिसमें आहति डालकर विश्व शंति की मन्नतें मांगी जाएंगी। इसके बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा, साथ ही भजनोपदेश किए जाएंगे। महासी जयराम ठेकला, लालचंद गराटी भैरव व हनुमान की महिमा का गुणगान करेंगे।

अनु बने विश्व हिंदू परिषद नांगल चौधरी के प्रधान

नांगल चौधरी। विश्व हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की बैठक प्रदेशाध्यक्ष हेमंत शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें नांगल चौधरी हलके की कार्यकारिणी का गठन करके दायित्व सौंपे गए हैं। इस दौरान समाज में फैली दहेज प्रथा, नशाखोरी तथा लिंग जांच जैसी बुराइयों को खत्म करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म और विचारधारा का पतन होने के कारण समाज दिशाहीन हो गया है।

हकेंवि में स्नातकोत्तर की काउंसलिंग सात जुलाई से

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम में दाखिले के लिए पहली श्रेणीवार दाखिला सूची सोमवार सात जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। पहली लिस्ट में स्थान पाने वाले विद्यार्थी नौ जुलाई तक फीस भुगतान कर दाखिला ले सकेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षाएं आगामी 14 जुलाई से शुरू हो रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

बाबा खेतानाथ पॉलिटेक्निक में दीक्षांत समारोह आयोजित

नारनौल। इलेक्ट्रिकल विभाग के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करते प्रधानाचार्य इजीनियर अनिल यादव। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के प्रधानाचार्य अनिल यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों को भी साथ लेकर चलना चाहिए, जिससे समाज और राष्ट्र का समुचित विकास हो सके। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष जगदीप सांगवान, स्टाफ सदस्य राजेश सैनी, कुलदीप मित्तल एवं वर्षा अग्रवाल सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने इस सम्मान को अपने जीवन की एक बड़ी उपलब्धि बताया और सभी शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह के अंत में सभी उपस्थितजनों ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और एकजुट होकर संस्थान के सतत विकास हेतु संकल्प लिया।

सरकारी स्कूल में अमूलचूक परिवर्तन के लिए नव प्राचार्य को मिलेगा प्ररेक प्रशिक्षण

■ डाइट में तैयारी शुरू, 2 सप्ताह का होगा प्रतिशक्षपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राज्य शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण परिषद की ओर से हरियाणा द्वारा नव नियुक्त प्राचार्यों के लिए स्कूल नेतृत्व पर दो सप्ताह का परिचयात्मक प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। यह प्रशिक्षण प्रत्येक जिले के जिला शिक्षा एवम प्रशिक्षण संस्थान में सात जुलाई से 19 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। इस संदर्भ में एससीइआरटी हरियाणा के उप निदेशक ने सभी डाइट प्राचार्यों को आवश्क प्रबंध करने एवम प्रशिक्षण सुचारू रूप से चलाने के निर्देश दिए हैं।

क्या है लीडरशिप ट्रेनिंग

स्कूल लीडरशिप विभाग, एससीईआरटी, हरियाणा, नव पदोन्नत प्रिंसिपलों को आवश्यक नेतृत्व और प्रशासनिक कौशल से लैस करने के उद्देश्य से दो सप्ताह का प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। प्रशिक्षण केवल नामित डाइट में ही आयोजित किया जाएगा। स्कूल लीडरशिप (प्राचार्यों) के लिए प्रेरण प्रशिक्षण हेतू एक आयोजन समिति का गठन किया जाएगा। यह समिति रसद से लेकर सामग्री वितरण तक प्रशिक्षण के सभी पहलुओं की देखरेख करेगी। एससीईआरटी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा सूची-प्रशिक्षण के लिए गठित आयोजन समिति के सदस्यों की सूची सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने के लिए छह जुलाई को शाम पांच बजे से पहले एससीईआरटी के साथ साझा की जानी आवश्यक है। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के पहले दिन प्रशिक्षु पोर्टल पर पंजीकृत किया।

पंजीकरण मामले में एससीईआरटी से करेगा संपर्क

पंजीकरण से संबंधित किसी भी समस्या के मामले में सहायता के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख को एससीईआरटी से संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों के लिए प्री-टेस्ट और पोस्ट-टेस्ट दोनों अनिवार्य होंगे और ये परीक्षण प्रशिक्षु पोर्टल पर उपलब्ध होंगे। डाइट प्राचार्यों और प्रशिक्षण समन्वयकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रशिक्षण की सभी विषय-वस्तु निर्धारित समय के अनुसार वितरित की जाए। प्रशिक्षण के दौरान सभी निर्धारित विषयों को व्यापक रूप से कवर किया जाए। इसके लिए विस्तृत प्रशिक्षण मॉड्यूल भी प्रदान किए गए हैं और पूरे कार्यक्रम में प्रभावी विषय-वस्तु कवरेज के लिए संदर्भ के रूप में माड्यूल का यथोचित रूप से उपयोग किया जाना होगा।

डाइट महेंद्रगढ़ में आज से शुरू होगा प्रशिक्षण

नव पदोन्नत प्रधानाचार्यों के लिए नेतृत्व पर दो सप्ताह के प्रेरण प्रशिक्षण स्कूलों में बदलाव लाने के लिए स्कूलों में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया गया है। स्कूल प्राचार्य स्कूल-आधारित परिवर्तन और विकास की शुरुआत करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। स्कूल प्रमुखों को सौंपी गई इस नई जिम्मेदारी के लिए उनकी क्षमता निर्माण और व्यावसायिक विकास के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता है। वर्तमान परिदृश्य के मद्देनजर स्कूलों को बदलने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, स्कूल प्रमुखों की क्षमता निर्माण प्रमुख लक्ष्य है। स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा के निर्देशानुसार, सभी नव पदोन्नत प्रधानाचार्यों के लिए तीन सप्ताह का प्रशिक्षण अनुशंसित है। प्रस्तावित इस प्रशिक्षण का महत्तवपूर्ण उदेश्य स्कूलों में ई-संसाधनों की समझ विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करना, स्कूल की विविधता, सीमा और संदर्भों को संबोधित करने की भावना पैदा करना, पेंशन लाभ, एचआरएमएस, जीईएम और अन्य तकनीकी और प्रशासनिक अवधारणाओं के बुनियादी ज्ञान को आत्मसात करना है। डाइट महेंद्रगढ़ में यह प्रशिक्षण सोमवार से शुरू हो रहा है।

बरसात व बाढ़ के अतिरिक्त पानी को भूजल रिचार्ज में उपयोग करने की कवायद

बरसात एवं बाढ़ के अतिरिक्त मिल रहे पानी को सिंचाई विभाग नदी-नालों में छोड़कर रिचार्ज पर कर रहा फोकस

पीने के पानी के टैंक भरने उपरांत मिल रहे अतिरिक्त पानी से भरे जो रहे जोहड़, तालाब, ताकि मवेशियों को परेशानी न हो।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बनिहाड़ी में नहरी पानी से भरा गया वाटर स्टोरेज टैंक।

सिंचाई विभाग ने भूजल रिचार्ज के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। विभाग नहरों से बरसात और बाढ़ के अतिरिक्त पानी को नदी-नालों में छोड़ रहा है, जिससे भूजल स्तर में सुधार हो सके। इस पानी से गांवों में बने जोहड़ों एवं तालाबों को भरा जा रहा है। यह पहल नारनौल और आसपास के क्षेत्रों के लिए फायदेमंद होगी।

मानसून सीजन में अक्सर यमुना नदी में बाढ़ आ जाती है। अबकी बार भी ऐसा हो रहा है। यमुना एवं आसपास के क्षेत्र में जो अतिरिक्त पानी एकत्रित हो रहा है, उसे दक्षिणी हरियाणा की नहरों तक पहुंचाया जा रहा है। नहरी पानी गत 14 जून से 5 जुलाई तक निरंतर चल चुका है और अभी अतिरिक्त नहरी पानी और मिलने की संभावना है, क्योंकि मानसून सीजन सक्रिय बना हुआ है तथा समूचे हरियाणा ही नहीं, उत्तर भारत में भी अबकी बार अच्छी बरसात हो रही है। अनेक जगहों पर बाढ़ के हालात बने हैं। हालांकि इस बरसात से नारनौल भी अछूता नहीं रहा है, लेकिन जिले में अब तक उतनी बरसात नहीं हुई है कि बाढ़ जैसे हालात बन सकें। यही वजह है कि नहर एवं सिंचाई विभाग जिले की नहरों में अतिरिक्त पानी को चला रहा है तथा उसे अंतिम छोर नांगल चौधरी क्षेत्र के नायन, शहबाजपुर तक पहुंचाने पर बल दिया जा रहा है। नारनौल क्षेत्र में नहरी पानी लहरोदा से शुरू होकर नांगल चौधरी क्षेत्र के राजस्थान बॉर्डर पर बसें गांवों तक पहुंचाया जा रहा है। इतना ही नहीं, अटेली साइड में कांटी, खेड़ी, नावदी, भोड़ी एवं तिगरा आदि गांवों तक नहरी पानी पहुंचाया जा चुका है। इससे भूमिगत जल में सुधार होने की पूरी संभावना है।

इन टैंकरों में दिक्कत

हालांकि गांव भूंगारका का वाटर टैंक निर्माण पूरा नहीं होने के कारण उसमें पानी नहीं डाला जा सका है। इसी प्रकार नायन, गोठड़ी, ढाणी बिशना तथा दताल में भी वाटर टैंक बनाए गए हैं, जिनमें से नायन एवं दताल के वाटरटैंकों में बिजली कनेक्शन नहीं होने से उनमें पानी नहीं भरा जा सका है। यदि इनमें बिजली कनेक्शन हो जाए तो इनको भरने की भी सिंचाई विभाग की योजना है। इन गांवों टैंकों के लिए बिजली कनेक्शन के लिए एप्लाई किया हुआ है, लेकिन अभी कनेक्शन होना शेष है।

भूजल स्तर में सुधार की उम्मीद

इस परियोजना से नारनौल और आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे पेयजल और सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे पेयजल और सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ेगी। नहरी पानी की उपलब्धता से किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई करने में मदद मिलेगी, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ेगी। भूजल रिचार्ज से क्षेत्र में जल संचयन बढ़ेगा, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

अतिरिक्त पानी मिल रहा

मानसून सीजन में यहां की नहरों को अतिरिक्त पानी मिल रहा है। इससे समूचे इलाके को ही बड़ा फायदा हो रहा है। भूजल रिचार्ज करने में इससे मदद मिल रही है। पानी के टैंकर भरने उपरांत बचे हुए अतिरिक्त पानी को नदी–नालों में छोड़ा जा रहा है, जिससे भूजल रिचार्ज में मदद मिल सकेगी। आमलोगों खासकर किसानों को भी जल संचयन करना चाहिए। खेतों में पानी रोकने के इंतजाम करने चाहिए, जिससे बेकार में पानी में न बहे और उसका सदुपयोग हो सके। -राजेश वर्मा, एसडीओ, सिंचाई विभाग

मवेशियों के लिए भी किए जा रहे इंतजाम

जिले में किसान खेती के साथ ही मवेशी भी खूब पालते हैं। इसी कारण गांवों में मवेशियों के लिए जोहड़ एवं तालाब बना रखे हैं। अब जो नहर चली, उससे नारनौल, नांगल चौधरी एवं अटेली क्षेत्र के लगभग 95 प्रतिशत तक जोहड़ों एवं तालाबों को भरा जा चुका है। इस क्षेत्र में सिंचाई विभाग ने पिछले दिनों लगभग 11 टैंकों का पक्का निर्माण करवाया था, जिनसे किसान खेती की सिंचाई के लिए भी पानी ले सकेंगे। इन टैंकों को लगभग पूरी तरह से नहरी पानी से भरा जा चुका है।

दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक

■ 22 सितम्बर से दो अक्टूबर तक नवरात्रों में 22वां दुर्गा पूजा महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बैठक करते क्लब सदस्य। फोटो : हरिभूमि

पुरानी मंडी बाल वाटिका में 22वें विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों के लिए टाईगर क्लब परिवार की बैठक क्लब संरक्षक डॉ. शिव कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर टाईगर क्लब के प्रधान राकेश यादव ने बताया कि 22 सितम्बर से दो अक्टूबर तक आने वाले नवरात्रों में 22वां दुर्गा पूजा महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा तथा जल्द टाईगर क्लब विस्तार कार्यक्रम चलाया जाएगा। जिसमें सदस्यता अभियान भी चलाया जाएगा। जिसमें हर वार्ड से कमसे कम पांच नए सदस्य बनाए जाएंगे तथा हर वार्ड में वार्ड प्रमुख बनाए जाएंगे। वरिष्ठ सदस्य सुनील शर्मा, ललित सैनी, विजय रहीश, विश्वास एडवोकेट ने बताया कि आसपास के पांच गांवों में सदस्यता अभियान के तहत नए युवा सदस्य जोड़े जाएंगे व गांव प्रमुख बनाए जाएंगे। वरिष्ठ सलाहकार नवीन वशिष्ठ व ललित सैनी ने बताया कि आगामी बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन व विस्तार किया जाएगा तथा कार्यकारिणी में युवा वर्ग और अनुभवी सदस्यों को जिम्मेदारी दी जाएगी। क्लब वरिष्ठ उपप्रधान सुरेंद्र यादव, उपप्रधान राजेश सैनी व कोषाध्यक्ष मनोज सिंघल ने आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव की व्यवस्थाओं को बारीकी से सभी सदस्यों को समझाया तथा हर सदस्य को एक और सदस्य क्लब से जोड़ने के लिए कहा। इस मौके पर टाईगर क्लब के पुरोहित नारायण शास्त्री, संरक्षक डॉ. शिवकुमार यादव, प्रधान राकेश यादव, उपप्रधान राजेश सैनी, वरिष्ठ उपप्रधान सुरेंद्र यादव, कोषाध्यक्ष मनोज सिंघल, वरिष्ठ सदस्य विजय रहीश, सुनील शर्मा, ललित सैनी, अजय सैनी, विश्वास एडवोकेट, वरिष्ठ सलाहकार नवीन वशिष्ठ, होशियार सिंह लखेरा, रवि आदि सदस्य मौजूद थे।

सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति खंड कनीना के प्रधान बने विनोद कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। चुनावी बैठक में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में डॉ. अंबेडकर भवन में कनीना के त्रिवार्षिक खंड स्तरीय चुनाव करवाने के संबंध में समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसका संचालन करते हुए समिति के सचिव सुमेर सिंह गोठवाल ने सभा में गत बैठक की कार्रवाई पढ़कर सुनाई, जिसका सर्व सहमति से अनुमोदन कर दिया गया। इसके बाद गोठवाल ने सभा को सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति की ओर से अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

इसके बाद चुनाव अधिकारी अंबेडकर सभा के प्रदेश लेखा सचिव रामकुमार ढैणवाल व सहायक चुनाव अधिकारी पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक जयपाल सिंह, हरिराम सिरोहा की अगुवाई में खण्ड कनीना के विभिन्न पदों का आम सहमति से निर्विरोध चयन कर दिया गया। जिसमें प्रमुख सलाहकार विरेन्द्र कुमार, प्रधान एडवोकेट विनोद, उपप्रधान कृष्ण कुमार पूनिया, सचिव राजेंद्र कपूरी व कोषाध्यक्ष विजयपाल को आम सहमति से निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। समिति की ओर से सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया।

पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव आरम्भ, रोजाना दोपहर में होगी श्रीराम कथा

कलयुग में केवल भगवान का नाम ही भवसागर से पर जाने का एक सुगम मार्ग: आचार्य रोहित रिछारिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। श्रीराम कथा कहते आचार्य रोहित रिछारिया व श्रीराम कथा में मौजूद श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

राजेश्वरम् परिवार की ओर से अग्रवाल सभा में भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव का रविवार आगाज हुआ। यह महोत्सव 10 जुलाई तक चलेगा। पांच दिवसीय इस महोत्सव में रोजाना दोपहर सवा दो बजे से शाम सवा छह बजे तक श्रीराम कथा होगी। अंतिम दिन 10 जुलाई को सुबह सवा आठ बजे पादुका पूजन एवं भजन वंदना होगी।

प्रथम दिन दोपहर को श्रीराम कथा में श्री बागेश्वर धाम सरकार से आचार्य रोहित रिछारिया और अयोध्या धाम में महंत हनुमानगढ़ी से राजूदास महाराज पहुंचे। इस दौरान आचार्य रोहित रिछारिया ने कहा कि रामचरित्र जीवन जीने की कला सिखाता है। माता-पिता गुरुजनों का कैसा सत्कार किया जाता है, भाई के प्रति क्या मर्यादा हो,यह सब रामचरित्र हम सबको सीखना है। नाम महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि कलयुग में केवल भगवान का नाम ही भवसागर से पर जाने का एक सुगम मार्ग है। उन्होंने कहा कि मानव का मन संसारिक और संतों का मन परमार्थ के कार्य में व्यस्त रहता है। राम कथा जीवन में परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतिदिन एक घंटा राम के लिए प्रदान करें तो व्यक्ति जन्म जन्म तक सुख भोगेगा। ईश्वर चाहते है कि आप शुद्ध अंतःकरण से उनके पास आएं। प्रभु के पास जो स्वच्छ भाव से जाता है, उसका कल्याण अवश्य होता है। उन्होंने कहा कि भगवान राम का धरती पर आगमन सत्य की पुनः स्थापना के उद्देश्य से हुआ था। वे वास्तव में धर्म के अवतार थे। उनका जीवन और यात्रा सनातन धर्म शास्वत सत्य के पूर्ण अनुपालन और पालन में थी। परिस्थितियों द्वारा बार बार उत्पन्न कठिन परीक्षणों के बावजूद, उन्होंने संपूर्ण मानव जाति के लिए आदर्श जीवन का उदाहरण प्रस्तुत किया।हमें श्रीराम के गुणों को पूरी तरह से अपनाना चाहिए और उनके अनुसार जीवन व्यतीत करके अपने जीवन के हर पल को पवित्र बनाना चाहिए। कथा के प्रथम दिवस ही संत महापुरुषों का आगमन जिसमें महंत गुरु प्रसाद महाराज भी विराजमान रहे।

माजरा खुर्द के पंच का आमरण अनशन जारी, सीबीआई जांच की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। अंबेडकर चौक पर धरने पर बैठे पंच सुरेंद्र यादव व अन्य।

शहर के बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक पर माजरा खुर्द के पंच सुरेंद्र यादव का आमरण अनशन रविवार को चौथे दिन में प्रवेश कर गया हैं। पंच द्वारा आमरण अनशन पर बैठे सुरेंद्र यादव को महेंद्रगढ़ ब्लॉक समिति चेयरपर्सन विजयलक्ष्मी ने भी पहुंचकर सेहत पर चिंता जाहिर की।

पंच सुरेंद्र यादव ने कहा कि गांव की सरपंच दीपिका पत्नी प्रवीण की शादी बाद में हुई थी, लेकिन दीपिका गांव की सरपंच पहले बन गई। जब शादी ही नहीं हुई तो माजरा खुर्द की सरपंच कैसे बनी? दीपिका पत्नी प्रवीण कुमार गांव की मतदाता कैसे बनी, यह एक जांच का विषय है? यह प्रजातंत्र में एक बहुत बड़ा फर्जीवाड़ा है, जिसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत का प्रजातंत्र चुनाव प्रक्रिया को विश्व में सबसे पारदर्शित माना गया है। उन्होंने फिर दोहराया कि जब तक गांव में सरपंच द्वारा किए गए गबन व घोटालों की जांच सरकार द्वारा उच्च स्तरीय एजेंसी से नहीं करवाई जाएगी, जब तक वह आमरण अनशन जारी रखेंगे और उनके साथ किसी तरह की भी घटना होगी, उसके लिए शासन और प्रशासन जिम्मेवार रहेगा। पंच सुरेंद्र ने दावा किया कि उन्हें भारी संख्या में लोगों का आमरण अनशन पर समर्थन मिल रहा हैं। उन्होंने कहा कि दूरभाष पर भी उन्हें बड़े-बड़े जनप्रतिनिधियों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।